भारत सरकार

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1562

उत्तर देने की तारीख 12 मार्च, 2025

बुधवार, 21 फाल्गुन 1946 (शक)

स्किल इंडिया मिशन के अंतर्गत प्रगति और लक्ष्य

1562. श्री मल्लिकार्जुन खरगे:

क्या कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) पिछले पांच वर्षों के दौरान स्किल इंडिया मिशन के अंतर्गत वर्ष-वार कितने व्यक्तियों को कुशल बनाया गया है और इसकी तुलना राष्ट्रीय कौशल विकास और उद्यमिता नीति 2015 के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्यों से किस प्रकार की जाती है; और

(ख) आज तक पूर्व शिक्षण की मान्यता (आरपीएल) कार्यक्रम के अंतर्गत कितने श्रमिकों को प्रमाणित किया गया है और असंगठित क्षेत्र में शेष कार्यबल को प्रमाणित करने के लिए मंत्रालय की समय-सीमा और लक्ष्य क्या हैं?

उत्तर

कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री जयन्त चौधरी)

(क): भारत सरकार के स्किल इंडिया मिशन (एस आई एम) के अंतर्गत, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय (एम एस डी ई), औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से विभिन्न योजनाओं, अर्थात् प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पी एम के वी वाई), जन शिक्षण संस्थान (जे एस एस), राष्ट्रीय प्रशिक्षुता प्रोत्साहन योजना (एन ए पी एस) तथा शिल्पकार प्रशिक्षण योजना के अंतर्गत कौशल विकास केन्द्रों आदि के एक विस्तृत नेटवर्क के माध्यम से पूरे देश में समाज के सभी वर्गों को कौशल, पुन:कौशल तथा कौशलोउन्नयन प्रशिक्षण प्रदान करता है। एस आई एम का लक्ष्य भारत के युवाओं को उद्योग संगत कौशलों से लैस करके भविष्य के लिए तैयार करना है ।

कौशल विकास एवं उद्यमशीलता की राष्ट्रीय नीति (एन पी एस डी ई) 2015 का वीज़न उच्च मानकों के साथ तेज़ गति से बड़े पैमाने पर कौशलन द्वारा सशक्तिकरण का एक इकोसिस्टम तैयार करना है तथा नवाचार पर आधारित उद्यमशीलता की एक संस्कृति को बढ़ावा देना है जो संपत्ति और रोज़गार का सृजन कर सके ताकि देश में सभी नागरिकों के

लिए स्थायी आजीविका सुनिश्चित की जा सके । इस वीज़न को साकार करने के लिए नीतिगत दस्तावेज़ में कौशलन अपेक्षा का एक अनुमान दिया गया है जिसके अनुसार वर्ष 2015-22 के बीच कौशलन/ रोज़गार संगत शिक्षा प्रशिक्षण (वी ई टी) की आवश्यकता के साथ आने वाले नए अभ्यर्थियों की संख्या 104.62 मिलियन है । यह अनुमान राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन (एन एस एस ओ) तथा जनगणना, 2011 के आंकड़ों के 66वें तथा 68वें दौर पर आधारित है।

गत् पांच वर्षों के दौरान एम एस डी ई की योजनाओं के अंतर्गत प्रशिक्षित उम्मीदवारों की वर्ष वार संख्या निम्नानुसार है :

योजना	**प्रशिक्षित उम्मीदवार**				
	2019-20	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23**	**2023-24**
पी एम के वी वाई	45,65,475	19,60,776	6,16,040	2,11,170	5,39,422
जे एस एस	4,15,332	3,59,796	4,61,996	7,26,284	5,07,337
एन ए पी एस	2,01,582	2,96,253	5,90,185	7,37,144	9,31,406
सी टी एस (आई टी आई)	13,59,489	12,19,446	12,25,851	12,50,679	14,46,247

(ख) वर्ष 2015-16 से और 31.12.2024 तक एम एस डी ई के पूर्व शिक्षण को मान्यता (आर पी एल) कार्यक्रम के अंतर्गत कुल 56,58,646 उम्मीदवारों को प्रमाणित किया गया । आर पी एल कार्यक्रम सहित एम एस डी ई की योजनाएं मांग आधारित हैं ।

*****